‘तेरा वर्ष‘

बाप समान फरिश्ता सप्ताह

10.03.2013

1. स्वमान – मैं ब्रह्मा बाप समान फरिश्ता हूँ।

- बाप समान फरिश्ता अर्थात् डबल लाइट....प्रकाश के शरीर में स्थित....अंग-अंग से लाइट-माइट फैलता हुआ....न्यारे और सर्व के प्यारे....गुणों व शक्तियों से सम्पन्न....फर्श पर नहीं, सदा अर्श पर विराजमान....रहमदिल बन प्रकृति व संसार की सर्व आत्माओं को सकाश देने वाले....

2. योगाभ्यास –

अ. मैं पवित्रता का फरिश्ता हूँ..कमलासन पर विराजमान हूँ..उड़कर सूक्ष्मवतन में जायें..बाबा से हाथ मिलायें..दृष्टि लें और वापस साकार वतन में,साकार देह में आ जायें..यह ड्रिल दिन में अनेक बार करें..।

ब. मैं पवित्रता का फरिश्ता, प्रकृति का मालिक हूँ....मैं आकाश में हूँ....मुझसे पवित्र वायब्रेशन्स निकलकर प्रकृति के पाँचों तत्वों को पावन कर रहे हैं....।

स. अव्यक्त फरिश्ते ब्रह्मा बाबा का आह्वान करें कि मेरे बाबा, प्यारे बाबा, मीठे बाबा आप मेरे पास साकार लोक में आओ....अनुभव करें कि बाबा आ गये और मेरे साथ-साथ चल रहे हैं....मुझे देख रहे हैं....मुझसे बातें कर रहे हैं....कभी छोटा बच्चा बनाकर मुझे अपनी गोद में उठा लेते हैं, तो कभी कंधे पर बैठा लेते हैं....मैं बाबा के अंग-संग रहकर अतिन्द्रिय आनंद का अनुभव कर रहा हूँ....।

3. धारणा – न्यारापन और प्यारापन

- सभी के साथ रहते हुए, पदार्थों व साधनों को यूज करते हुए, उनसे तुरंत डिटैच हो जाना है। ये सभी विनाशी साधन केवल यूज करने के लिए हैं, मेरे साथी नहीं हैं। सच्चा साथी तो केवल हमारी श्रेष्ठ स्थिति है। मनुष्यों को प्यार दिया और न्यारे हो गए। कार्य में साथ रहे और न्यारे हो गए। जिम्मेदारियाँ पूर्ण की, कर्म किया और न्यारे हो गए - ये अभ्यास बढ़ाते चलें।

4. चिंतन –

- फरिश्ता अर्थात् क्या? सम्पूर्ण फरिश्ते ब्रह्मा बाबा का एक शब्दचित्र बनायें?
- कौन सी बातें मुझे फरिश्ता नहीं बनने दे रही हैं?
- बाप समान फरिश्ता बनने के लिये मुझे क्या करना होगा? (लिखित योजना बनाएँ)

5. तपस्वियों प्रति – हे महान् तपस्वियों ! संसार को तुम्हारी तपस्या की बहुत आवश्यकता है। अतः अपने को व्यर्थ से मुक्त करते हुए महान् तपस्या में तल्लीन हो जाओ। यही तपस्या आत्मा को ईश्वरीय सुखों से भरपूर करने वाली है और ये सुख केवल वर्तमान में ही प्राप्त हो सकता है। इसलिये समय को महत्व देते हुए स्वयं को योगयुक्त बनायें, ताकि स्वयं का भी कल्याण हो और संसार का भी।